आज शिव भवनां में, बाजे बधईया

गोदी में गणेश लिये
(धुनः मेरे अंगनां में तुम्हारा क्या काम)

आज शिव भवनां में, बाजे बधईया |
गोदी में गणेश लिये, बैठी गौरा मैया ॥

लम्बोदर एकदन्त चार भुजाधारी ।
नाटा मोटा गणराजा, मूसे की सवारी ॥
हाथों में पाश फूल अकुंश धरैया - आज...

काले भूरे नयनन के बीच सोहे चन्दा |
सोहे सिन्दूर मुकुट माल, बाजू - बन्दा ॥
श्वेत तन मन पे पीताम्बर औढ़ईया - आज...

देवों में अग्रपूज्य, संत करें सेवा ।
लड्डुअन का भोग लागे, जन्बूफल मेवा ॥
आरती उतारे शम्भु, डमरू बजीईया - आज...

रत्न सिंघासन गणपत बिराजे ।
मंगल भवन में मंगल धुन बाजे ॥
नाचे 'मधुप' मन, था था थैया-आज...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36909/title/aaj-shiv-bhavna-me-baaje-badhiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |